राष्ट्रीय युवा दिवस 2022

- स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में भारत में प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस (National Youth Day) के रूप में मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय युवा दिवस भारत के उन युवाओं व नौजवानों को समर्पित है, जो देश के भविष्य को बेहतर और स्वस्थ बनाने का क्षमता रखते हैं।
- 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में वर्ष 1984 में नामित किया गया था, तभी से 12 जनवरी को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई थी।
- राष्ट्रीय युवा दिवस 2022 की थीम: **इट्स आल इन द माइंड** है।

स्वामी विवेकानंद :राष्ट्रीय युवा दिवस 2022

- स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। स्वामी विवेकानंद का असली नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। वह वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे।
- छोटी उम्र से ही उन्हें अध्यात्म में रुचि हो गई थी। पढ़ाई में अच्छे होने के बावजूद जब वह 25 साल के हुए तो अपने गुरु से प्रभावित होकर नरेंद्रनाथ ने सांसारिक मोह माया त्याग दी और संयास ले लिया। संन्यास लेने के बाद उनका नाम विवेकानंद पड़ा।
- 1881 में विवेकानंद रामकृष्ण परमहंस से मिले।
- 11 सितंबर 1893 में अमेरिका में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद भी शामिल हुए थे। यहां उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत हिंदी में ये कहकर की कि 'अमेरिका के भाइयों और बहनों'। उनके भाषण पर आर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ शिकागो में पूरे दो मिनट तक तालियां बजती रहीं। जो भारत के इतिहास में एक गर्व और सम्मान की बात थी।
- स्वामी विवेकानंद ने 1897 में कोलकाता में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। वहीं 1898 में गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना भी की थी।
- स्वामी विवेकानंद धर्म, दर्शन, इतिहास, कला, सामाजिक विज्ञान, साहित्य के ज्ञाता थे। शिक्षा में अच्छे होने के साथ ही वह भारतीय शास्त्रीय संगीत का भी ज्ञान रखते थे। इसके अलावा विवेकानंद जी एक एक अच्छे खिलाड़ी भी थे। वह युवाओं के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं थे।
- उन्होंने कई मौकों पर अपने अनमोल विचारों और प्रेरणादायक वचनों से युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया था। इसीलिए स्वामी विवेकानंद जी जयंती को **राष्ट्रीय युवा दिवस** के तौर पर मनाया जाता है।
- 1984 में भारत सरकार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का दर्शन, आदर्श और काम करने का तरीका भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हो सकता हैं। और तभी से भारत सरकार ने स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के तौर मनाने की घोषणा कर दी थी।